

# झारखण्ड विधान सभा

## अल्प सूचित प्रश्नों की सूची

चतुर्थ झारखण्ड विधान सभा

द्वितीय (बृजट) सत्र

वर्ग- 02

19 फाल्गुन, 1936 (श०)

निम्नलिखित अल्प सूचित प्रश्न, मंगलवार, दिनांक

10 मार्च, 2015 (ई०)

झारखण्ड विधान सभा के आदेश— पत्र पर अकित रहेंगे :-

मा० विभागों को संसूचित राज्य का नाम सं० की गई साँ स०	संक्षिप्त विषय	रांभंधित विभाग	विभागों को भेजी गई तिथि
०१ ०२	०३	०४	०५ ०६
१५१ अ०स०-२९ श्री देवपक विलाहा	बकाया अन्तर वर्तन का भुगतान।	पिङ्गान एवं प्रावैधिकी	०३.०३.२०१५
१५२ अ०स०-२२ श्री राधाकृष्ण किशोर	स्मातक ऐश्वर्य तकनीकि संस्थानों की स्थापना।	विज्ञान एवं प्रावैधिकी	०१.०३.२०१५
१५३ अ०स०-२३ श्रीमती निर्मला देवी	शिक्षकों की नियुक्ति	मानव संसाधन विकास	०१.०३.२०१५
१५४ अ०स०-१४ श्री रामकृष्णर पाठ्य	स्टेडियम का निर्माण।	कला संरक्षण खेलकूद एवं युति कर्य	२८.०२.२०१५
१५५ अ०स०-३१ श्री अनन्त कुमार ओझा	सरकारी डिप्टी महाविद्यालय की स्थापना।	मानव संसाधन विकास	०३.०३.२०१५
१५६ अ०स०-३० श्री राज सिन्हा	बच्चों को रार्बेश्विका अभियान से जोड़ना	मानव संराधन विकास	०३.०३.२०१५
१५७ अ०स०-२६ श्री अल्प धटजो	बन्द पड़े उद्योगों का पुनर्द्वार।	उद्योग विभाग	०१.०३.२०१५

राँची

दिनांक-१० मार्च, 2015 (ई०)

सुशील कुमार सिंह

प्रभारी सचिव,

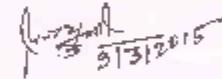
झारखण्ड विधान सभा, राँची।

क०प०३०

(02)

ज्ञाप संख्या-प्रश्न-04/2015- ८।२। विभाग, रांची, दिनांक- ०९।३।५

प्रतिलिपि :- झारखण्ड विधान सभा के मन्त्रीय सदस्यगण/नवनीय मुख्यमंत्री/मार्गीय/माननीय संसदीय कार्य गंती/माननीय शेतकी प्रतिष्ठान, झारखण्ड विधान सभा/मुख्य सचिव तथा गाननीय राज्यपाल के प्रधान सचिव/लोकसंघ के आष्ट सचिव एवं झारखण्ड राजकार के सभी विभागों के सचिवों को सूचनाथ प्रेषित।

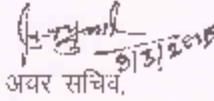
  
३।३।५।२०१५

(संजय कुमार)  
अवर सचिव,

झारखण्ड विधान सभा, रांची।

ज्ञाप संख्या-प्रश्न-04/2015- ८।२। विभाग, रांची, दिनांक- ०९।३।५

प्रतिलिपि :- माननीय अध्यक्ष महोदय के आप सचिव/निजी सहायक, सचिवीय कार्यालय/अपर राष्ट्रिय (प्रश्न)/संग्रहक सचिव (प्रश्न) झारखण्ड विधान सभा को क्रमशः माननीय अध्यक्ष महोदय/प्रभारी सचिव महोदय के तूचनर्थ प्रेषित।

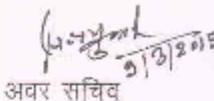
  
३।३।५।२०१५

अवर सचिव,

झारखण्ड विधान सभा, रांची।

ज्ञाप संख्या-प्रश्न-04/2015- ८।२। विभाग, रांची, दिनांक- ०९।३।५

प्रतिलिपि :- कार्यवाही शाखा/आश्वासन समिति शाखा एवं बेदसाईट शाखा को सूचनाथ प्रेषित।

  
३।३।५।२०१५

अवर सचिव,

झारखण्ड विधान सभा, रांची।

बहु-दुर्घट/

  
०९।३।५।२०१५

(६)

वरुष झारखण्ड विधान सभा का द्वितीय (बजट) रत्न गों दिनांक 10.03.2015 को श्री दीपक विस्तवा, सठविंसठ द्वारा पूछा जाने याला अन्त्य-पूर्विक प्रश्न सं० -आ०स०-२९ का उत्तर प्रतिवेदन

प्रश्न

1. यथा यह बाह सही है कि उत्तरवर्ती झारखण्ड राज्य शिक्षा राज्यवीय पोलिटेक्निक गैं बायर्चन शिक्षकों को पंचन घोगनन के आधार पर बदला अन्तर वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने हेतु विहार सरकार, दिल्ली एवं प्रावैधिकी विभाग के प्रांक-विभाग(१)व-७९/०७-२४०८ पटना, दिनांक 28.08.2009 द्वारा प्रधान राज्यविधान सभा, राँची को प्राप्ति की गय था,
2. यथा यह बात राही है कि ६ वर्ष बीत जाने के बाबजूद भी बक्ष्या राज्य का भुगतान नहीं किया गया है,
3. यदि उपर्युक्त छाती के उत्तर रवीकारामक है तो क्या सरकार पचन घोगनन का बदला अन्तर वेतन का हुगतान सुनिश्चित करने का दिचार रुखी है, तो, तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

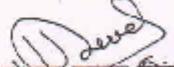
उत्तर

1. रवीकारामक।
2. रवीकारामक।
3. वर्षुत किंडिका-१ में दृक्षेत्र पत्र द्वारा कुल ४९ शिक्षकों का नाम प्राप्त हुआ था, जिनमें से १९७९ के पूर्व दिव्युवत ३१ शिक्षकों के बढ़ाए का भुगतान पर दिया गया है। १९७९ के बाद इस राज्य में कार्यरत शिक्षकों की संख्या ५६ थी, किन्तु विहार सरकार हारा उक्त सूची में लेखन-३० का छोड़ नाम भेजा गया। शेष-७ शिक्षकों के संबंध में विहार सरकार से बार-बार अनुरोध किये जाने के उपरान्त रिख्ति स्पष्ट नहीं किए जाने के कारण वेतन भुगतान का मामला लंबित भाला आ रहा है। विहार सरकार से प्रतिवेदन प्राप्ति के उपरत्त नियमित्रिय के रागत्र गामले का रखकर भुगतान के रांथ में निर्णय लिया जाना है इस हेतु विभागीय संकल्प सं० ७५४ दिनांक ०२.०६.०३ की कांडिका ६ को आंदोलन रूप से संबोधन किया जाना है।

झारखण्ड सरकार  
विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग  
गोपल शर्मा, डॉरेना, राँची

हापंक-२.विभाग/विभाग-०९/१५ - ५१३ / राँची, दिनांक- ०९.०३.१५

प्रतिलिपि :- उत्तर राज्यविधान सभा संविधालय जो उनके ज्ञापंक ६५९ दिनांक 03.03.2015 के आलोक गें 200 प्रतिवेदनों के साथ झारखण्ड, राँची को सूचनार्थे एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

  
(कमल शुक्ला प्रस्तुद्यारिः)  
सरकार के कृपया सचिव

चतुर्थ आरखण्ड विधान सभा का हितीय (बजट) सत्र में दिनांक 10.03.2015 को  
श्री राधाकृष्ण किशोर, स०विंस० द्वारा पूछा जाने वाला अल्प-सूचित प्रश्न सं० -अ०स०-२२  
का उत्तर भविष्यदन

प्रश्नउत्तर

- |   |   |
|---|---|
| 1. क्या यह बात सही है, कि झारखण्ड राज्य में<br>स्नातक स्तर के भाव्यता प्राप्त तकनीकी राठधानीों की<br>कुल संख्या-14 है, जबकि छठीशगढ़ में ८५ और<br>उत्तरखण्ड में ३३ संस्थान स्थापित हैं,      | 1. अस्वीकारात्मक।<br>झारखण्ड राज्य में वर्तमान में चुल 21<br>स्नातक स्तर मान्यता प्राप्त तकनीकी<br>संस्थान हैं।   |
| 2. क्या यह बात सही है कि तकनीकी एव्यानों के<br>आमाव में शाज्य के गरीब गेवाएँ छात्र तकनीकी शिक्षा<br>प्राप्त करने से दैवित रुप जाते हैं,   | 2. अस्वीकारात्मक।   |
| 3. यदि उपर्युक्त श्वर्णों के उत्तर रवैकारात्मक हैं, तो<br>न्या सरकार राज्य में रनातक सार्विक तकनीकी<br>विश्वानों की स्थापना के लिए कार्रवाई करना चाहती<br>है, तो क्या करतक, नहीं तो क्यों ? | 3. 12वीं पंचवर्षीय योजना अन्तर्गत निष्ठान<br>एवं प्रादैविकी विभाग द्वारा वर्तमान में<br>पलाटू एवं दस्तियाँ छोटानगापुर प्रमाण्डल में<br>रनातक स्तरीय तकनीकी शिक्षण संस्थानों<br>के स्थापना के संबंध में निर्णय लिया<br>गया है। |

झारखण्ड सरकार  
विज्ञान एवं ग्रामीणिकी विभाग  
नेपाल राज्य, झीमुख, रोना

क्रापाक-२.विंश्वा०/विंश्वा०-०६/१५ — ५१४ / रौची, दिनांक- ०९.०३.१५

प्रतिलिपि :- अवर सदिय, झारखण्ड विकास भवा सचिवालय को उनके क्रापाक ३१४ दिनांक ०१.०३.२०१५ के आलोक में २०० प्रतिव्यों के राश झारखण्ड, रौची को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यालय प्रेषित

  
(कमल श्रेष्ठ भूसामुख रिंग)  
सरकार के उप सचिव

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

श्रीमती विमला देवी, स.वि.स. छाया प्राप्त अल्प सूचित प्रश्न संख्या अ०स००-२३

प्रश्नांक	प्रश्न	उत्तर
	यद्या नंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बोर्डको लिए युवा करेंगे कि:-	डॉ० नीरा दादत, मानवीय नंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड सरकार
1.	यद्या यह बोर्ड सही है कि उर्दू टेट पास ८१५ अध्यर्थी हैं, जबकि उर्दू का युक्त सीट ४४० है। लेकिन वास्तव नियमावली के कारण केवल २०० से ३०० शिक्षकों की ही बहाली ढो पाई है;	अस्थीकारात्मक।  वस्तुस्थिति यह है कि कक्षा 1 से 5 के लिए आयोजित शिक्षक प्रतिक्रिया में उच्चीर्ण अध्यर्थियों की संख्या ८०७ तथा विभिन्न जिलों में नियुक्त एवं बोगदान करने वाले उर्दू शिक्षकों की संख्या ४८७ है।  झारखण्ड प्रारंभिक शिक्षक नियुक्ति नियमावली, 2012 के प्रावधानों को चुनौती देते हुए मानवीय झारखण्ड उच्च व्यायालय में कई ऐसे आविकाएँ बायर यी गई हैं। ऐसी कई आविकाओं को खारिज करते हुए मानवीय उच्च व्यायालय ने नियमावली की नियमसंगत बताया है।
2.	यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो यदा सरकार नियमावली में संशोधन कर ८१५ शिक्षकों यी नियुक्ति करने का विवाद रखती है तो क्या तक, अर्हत तो क्यों?	उर्दू शिक्षकों के विकल पदों पर नियुक्ति हेतु कार्रवाई रही जा रही है।

सरकार के संयुक्त सचिव।

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

ज्ञापांक-.....421...../ दौची, दिनांक- .....9/3/15-

प्रतिलिपि:- उप सचिव, झारखण्ड रियाज भ्रमा सचिवालय को उनके ज्ञापांक 319, दिनांक 01.03.2015 के आलोक में वांछित प्रतियों के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

सरकार के संयुक्त सचिव।

(५)

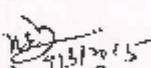
श्री रामकुमार पाहन, मा० सर्विंस० हुआ चलते अधिवेशन में दिनांक 10.03.2016 को  
पूछा जाने वाला अल्प सूचित प्रश्न सं-11 का उत्तर-

प्रश्नकर्ता	उत्तर दाता
श्री रामकुमार पाहन, गाननीय सदस्य विधान सभा	श्री अगर कुमार वाजरी माननीय मंडी कला संस्कृति एलफूप ५वं तुका कार्य विभाग, झारखण्ड, रींची।
क्र०	प्रश्न
1	<p>क्या यह बात सही है कि रींची जिला के अन्यादि प्रखण्ड के लूटींग गोव में सो रक्ष खाली जमीन हैं;</p> <p>उपायुक्त, रींची से प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार रींची जिला के अन्यादि प्रखण्ड के लूटींग गोव ने भूत मैरन्डारुआ, फास भूमि का 'बुल ४३वा-१२७.३६ एकड़ है, जिसमें कुछ रेप्टों के नम भूमि बन्दोबस्त हैं ५वं अल्प प्लॉट विभिन्न जगहों पर आवेदित हैं;</p> <p>राच ही मौजा लूटींग के खाला रो-१११ के प्लॉट रो-७६४, रकवा-८.७८ एकड़ द्विये रखवा ७.२६ एकड़ भूमि जमीन दर्जा-परती दुगची नुँह खाली है।</p>
2	व्या यह बात सही है कि उनके प्रखण्ड में एक गी गीत न खेलने लायक नहीं है;
3	<p>यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या संरक्षकार उत्तर प्रखण्ड के सक्त स्थान पर स्टेडियम का निर्माण काराने का विचार रखती है, डॉ ठोकर तक, नहीं तो क्यों?</p> <p>राजीव गांधी खेल अभियान उन्नति स्टेडियम निर्माण योजना हेतु उपायुक्त, रींची ५६ एकड़ भूमि पिनेहर करते हुए ब्रह्मताल की गोंग की गयी है। प्रलग्न प्राप्त होने पर नियनानुसार कर्तव्यानुष्ठान किया जा सकता है।</p>

झारखण्ड सरकार  
कला संस्कृति एलफूप एवं युवा कार्य विभाग

ज्ञापांक : १/विंस०-६-०३/२०१५/क २०३२..... / रींची, दिनांक २१.२.१५

प्रतिलिपि: अवर सचिव, झारखण्ड विभान राज्य राजिकालय, झारखण्ड, रींची को उनके ज्ञाप संख ४९ दिनांक 26.02.2015 के प्रसंग में 260 प्रतिवेदी के साथ सूचनार्थी एवं अप्रश्नक कार्यार्थ प्रेपिता।

  
 सरकार के अधिकारी सचिव  
 ज्ञाप संख्या ४९, दिनांक २६.०२.२०१५  
 रींची, झारखण्ड

(55)

श्री अनन्त कुमार आंद्हा, सर्वियोजन द्वारा दिनांक-10.03.2015 को पूछा जाने  
गाला अल्पसूचित प्रश्न संख्या-आ०स०-३।

क्र०	प्रश्न	उत्तर सामग्री
१.	व्या वह बात रही है कि साहेबगंज जिलाकर्गत राजमठल अनुमंडल बहुत दी पुराजा अनुमंडल है ?	उत्तर स्वीकारात्मक है।
२.	व्या वह बात रही है कि राजमठल अनुमंडल जो एक भी सरकारी हिस्सी महाविद्यालय की स्थापना अवधि के नहीं तो सकी है जिससे लैकड़े छात्र-छात्राओं का मठ-गाड़ बाधित हो देता है ?	आंशिक स्वीकारात्मक है।
३.	व्या उपरोक्त उल्लेख का उत्तर स्वीकारात्मक है यो, एवा सरयार उक्त अनुमंडल में सरकारी हिस्सी महाविद्यालय की स्थापना कराये था रियार सत्री है, तो तो कब तक बही तो क्यों ?	राहेलगंज जिलाकर्गत साहेबगंज महाविद्यालय, सर्वोन्नति, ली०ए०८० के० कॉलेज, बटहटवा, बी०ए०८०८० महिला महाविद्यालय, पत्ना एवं बी०ए०९०८०८० बोहरा महाविद्यालय, राजमठल में दिखी रुट की पड़ाई होती है। अनुमंडल सं०२ पर महाविद्यालय खोलने हेतु विश्वविद्यालय से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं है।

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग।

झापांक 5/वि०-14/20५ ५, रांची दिनांक- ०९/०३/२०१५  
प्रतिलिपि-अवर सचिव, झारखण्ड विधान सभा सचिवालय, राँची को उनके झापांक-६६। दिनांक-०३.०३.२०१५ के प्रसंग में लाभित प्रतिगों के साथ सूचनार्थ एवं आदश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

मानव संसाधन विकास विभाग,  
झारखण्ड, राँची।

५०

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

श्री राज सिंहा, स.वि.स. से प्राप्त अल्प-सूचित प्रश्न संख्या अ.सु.-३०

क्रमांक	प्रश्न	उत्तर
		दो. नीरा यादव, मानवीय मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड सरकार
१.	वया यह बात सही है कि यह शिक्षा अभियान के लक्ष्य से १५ वर्ष तक आधु राज्य वाले सभी बच्चों को छात्रों जोड़ना सरकार का अंतिक एवं स्थिरानिक दर्शन है;	स्वीकारात्मक।
२.	वया यह बात सही है कि राज्य निर्माण से सेकड़ अब तक प्रतिष्ठित झारखण्ड के हजारों ग्रामीण बच्चों यों विद्यालियों के माध्यम से दूसरे राज्यों में जलतल भेजा जाता है, जहाँ उनसे ईट भद्दा तथा अख्य कानों में संलग्न किया जाता है;	अस्वीकारात्मक।
३.	यदि उपर्युक्त बच्चों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो वया सरकार राज्य के सभी छोटे बौद्ध आधु वर्ष के बच्चों को सर्व शिक्षा अभियान से जोड़ने की दिशा में कारबाह करने लिए का विचार स्वर्गी है, यदि तो तो यहाँ तक, नहीं तो क्यों?	सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत राज्य के सभी विद्यालयों या पौष्टक क्षेत्र निर्धारित किया जाता है। प्रत्येक वर्ष शिक्षकों द्वारा लाल बाल गणना की जाती है। बाल बाल गणना के आधार पर पलायन होने वाले परिवारों की सूची भी तैयार की जाती है। इस संबंध में अम विभाग से भी समन्वय स्थापित किया जाता है। स्थानीय प्राधिकार, विद्यालय प्रबंध समिति एवं आम समवाय के साथ नियमित संवाद स्थापित किया जा रहा है ताकि जिन सेत्रों से बच्चे किसी कार्य हेतु बाहर जा रहे हैं, उन्हें दोपन जा सके तथा कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित योजनाएँ वाच आवासीय विशेष प्राइवेशन, मिजाजल हॉस्टल इत्यादि के भाष्यान से उन्हें विद्यालयों से जोड़ा जा सके।

सरकार के संयुक्त सचिव।

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग  
क्रामांक ५०३ तिथि २/३/१५  
राजी, दिनांक-

**प्रतिलिपि:-** अवर लिपि, झारखण्ड विधान सभा सचिवालय को उनके ज्ञापनक ६६०, दिनांक ०३.०३.२०१५ के आलोक में वांछित प्रतिवेदी के द्वाय सुन्नार्थ द्वाय आवश्यक कार्रवाई नेत्रु प्रेषित।

सरकार के संयुक्त सचिव।

(57)

**श्री अरुप चटर्जी, स०विं०स० से प्राप्त अल्पसूचित प्रश्न संख्या अ०रा०-२६ का उत्तर सामग्री।**

क्र०	प्रश्न	उत्तर सामग्री
१	२	३
१	क्या यह बता सही है कि विहार राज्य औद्योगिक विकास निगम के अन्तर्गत कुल 42 कारखाना हैं जिसमें 36 कारखाना इस्थित रज्य में हैं और बंद पड़े हुए हैं	आशिक रूप से स्वीकारात्मक। उत्तुस्थिति यह है कि उद्योग विभाग, दिल्ली सरकार के पत्राक ३१४२ दिनांक २१.०८.२०१४ से ग्राम सुनानुसर विहार राज्य औद्योगिक विकास निगम लिए के अन्तर्गत कुल ४४ कारखाना हैं जिसमें २५ कारखाना आरक्षण रज्य में हैं। सारखण्ड राज्य ने अवस्थित तीन कारखाने कार्रवाई रहने के लूटने हैं।
२	क्या यह बत सही है कि इन बदल पड़े उद्योगों के पुनरुद्धार से राज्य में रोपागार बढ़ेगा।	स्वीकारात्मक।
३	उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं। तो क्या सरकार अधिकार उक्त ३८ नं० पड़े उद्योगों का पुनरुद्धार करने का दियार रखती है, इनी, तो कब तोक, गहरी तो क्यों?	उत्तुस्थिति यह है कि विहार राज्य औद्योगिक विकास निगम के अस्तित्वों १०८ दिनित्वों का दंतवर विहार पुनर्गठन अधिनियम-२००८ के प्रावधानों के अन्तर्गत दोनों राज्यों के बीच नहीं हो पाया है। विहार राज्य औद्योगिक विकास निगम के अस्तित्वों १०८ दिनित्वों का दंतवर दोनों राज्यों के बीच होने पर राज्य सरकार आरक्षण राज्य में रखती है। जिसके उद्योगों के लिए वे की समीक्षा कर अग्रतर कार्रवाई करेंगी।

आरक्षण सरकार  
उद्योग विभाग

ज्ञापांक ५०। /राँची, दिनांक ०५.०३.१५/

प्रतिलिपि :- अय्यर सहित, आरक्षण विद्यनसभा भवियालय का उनके ज्ञापांक-३२२ दिनांक-०१.०३.२०१५ के अन्तर्गत में २०० (दो सौ) अंतिरिक्त प्रतिलिपों के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई छेद प्रेषित।

लग्ज ५०।५  
सरकार के उप सचिव